

# राज कॉमिक्सकी एक दुर्लम स्वीज

चित्रकथाः पञ्जाञाम शामी चित्रॉकनः प्रताप मुलिक मन्यादकः मनीष चंद्रगुटत

आतंकवादी जिबोहों की तबाही का देवता

संसाब में कैले उग्रवादी संगठनों के नेताओं को प्रोफेसब नागमणि ने जीय-तीय मिनंत्रण भेजा। बबसों से नाग्नणि का सम्पर्क इन भोगों से बना हुआ था। प्रोफेसर द्वारा उन्हें महत्त्वपूर्ण सूचनाचें मिला करती थीं। लेकिन इस बार कोई विशेष बात थी। प्रोफेसर में उन्हें सूचना दी थी कि वह आतंकवादी जिसे हों के लिये सबसे स्वत्रनाक हथियार बनाने में कामया बहो गया है और अव अपने इस हथियान की किनाये पन चलाना चाहता है। उसने इसहथियान का नाम बबवा था-"माजाबाजाँ।









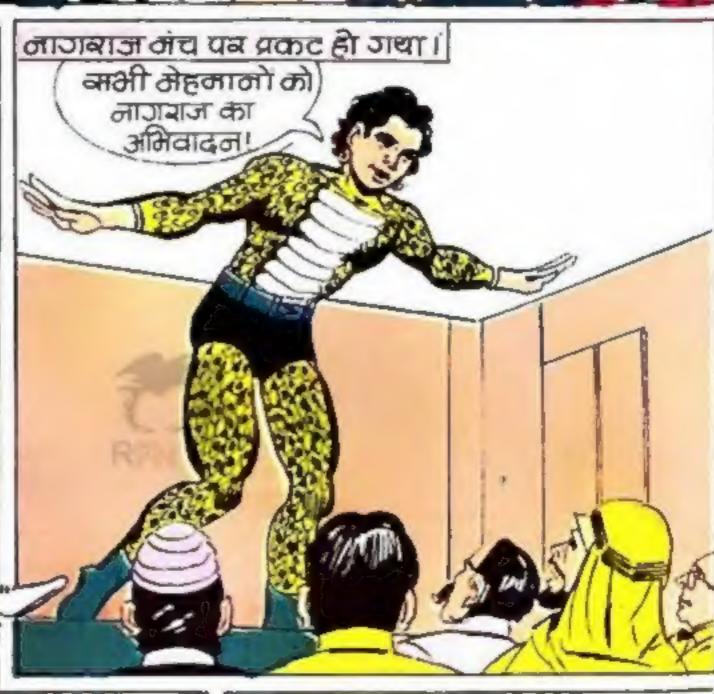




2

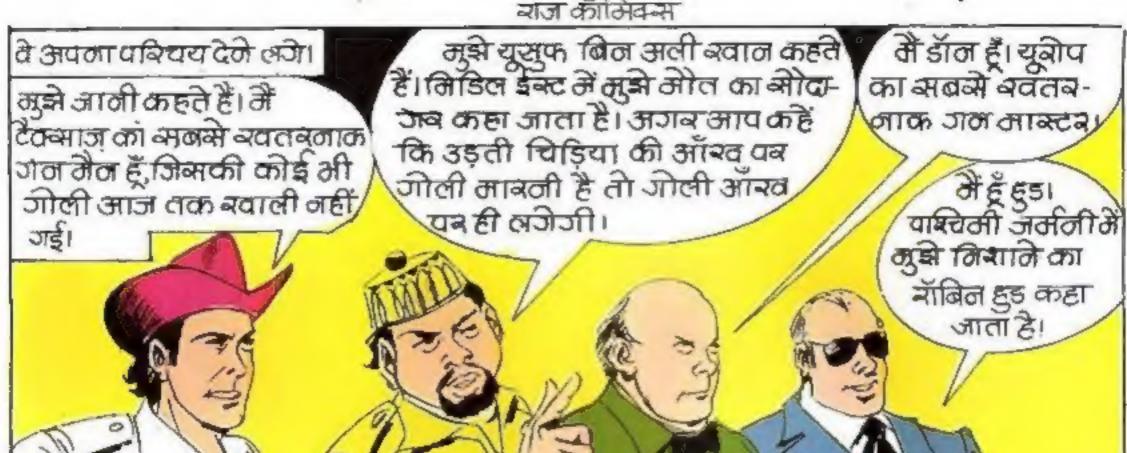




































इसके अलावा भी नागमाज की बहुत-सी विशेषतायें हैं जो ममय आने प्रमाणको मालूम हो आयेंगी। जो लियों से छलनी होने प्रम मागमाज बवुद ही उन्हें निकालक्रम अपने मार्ग प्रम चलता बनेगा और इसके श्रामित्र से एक बुँद भी बवून नहीं ट्रपकेगा।

इसके श्राचीय के अक्ताणु आम इंगानों की तबह महीं हैं। उनकी प्राफ़िया बड़ी तेज औय मुमित है। नाग्याज के जिम्म प्रथ जन्म होते ही उनका काम मंत्रीनी अंदाज में थुझ होता है। पहले ये बक्ताणु अंदर पहुँच चुके हानि-कारक प्रदाय की बाह्य निकाल देते हैं और फिन...

प्रोफेसब नांजनिंग, आपने

शानदान हथियान का निर्माण

किया है।

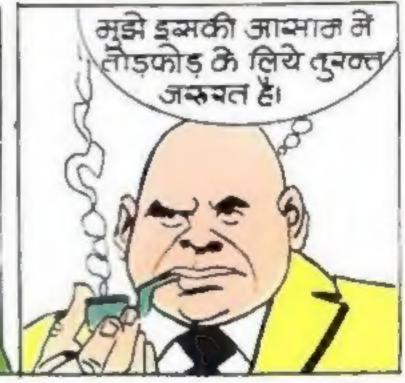
प्रदर्शन ओ

बाहतुष्ट हैं।





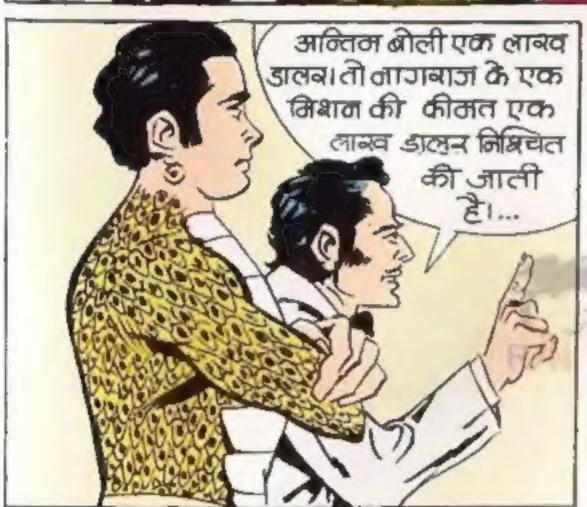


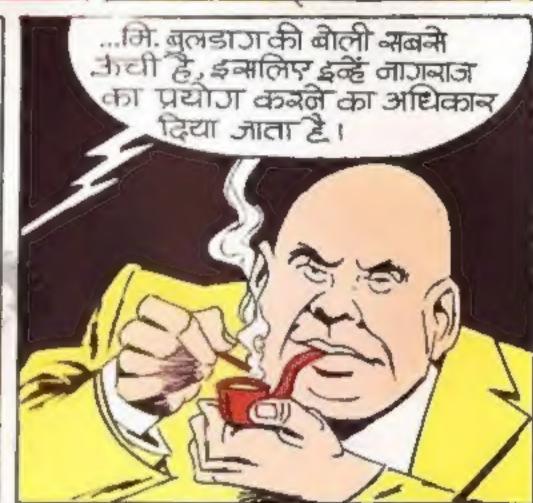










































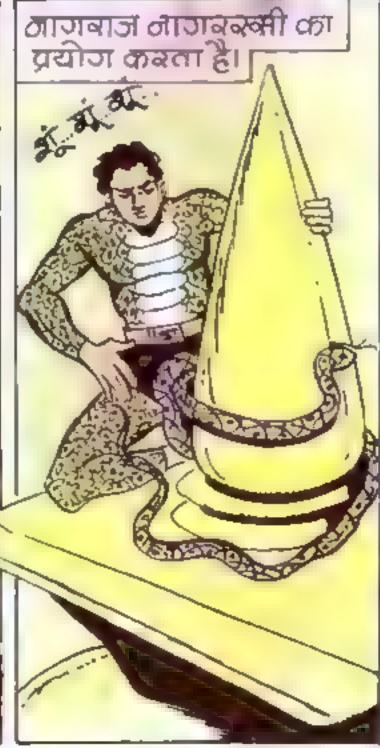








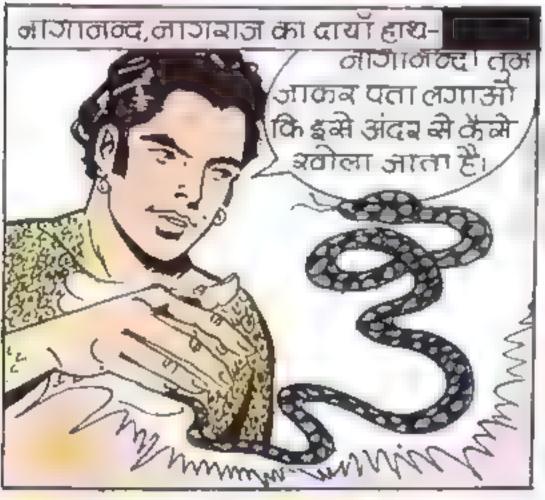




















मागवाज्ञ के शक्षीय प्रच डसाने जाला भारप पानी बनक्य पिघल



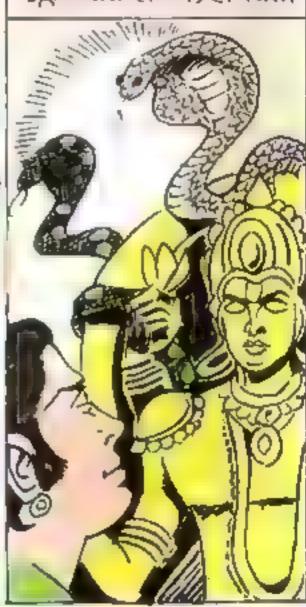
द्विति देशक कर्म देश

लेकिन तभी-

बचे हुम नाग, नागमाज की जहनाली फुकानों ने धानामानी हो गन्य।

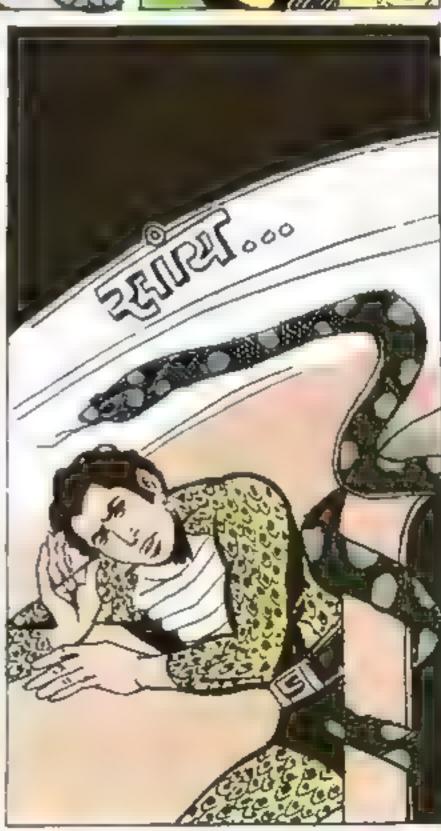


औव फिर्ब नागवान मूर्ति की तबक सपका।

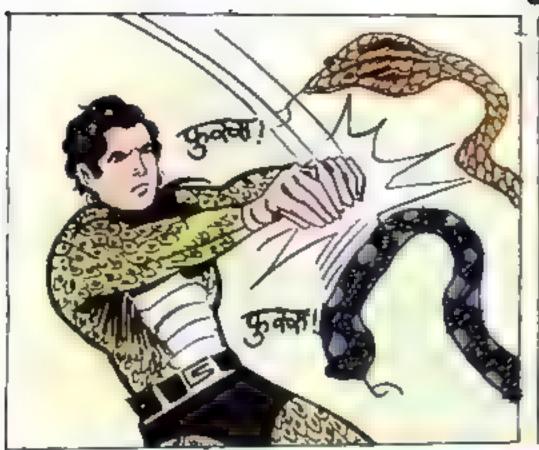


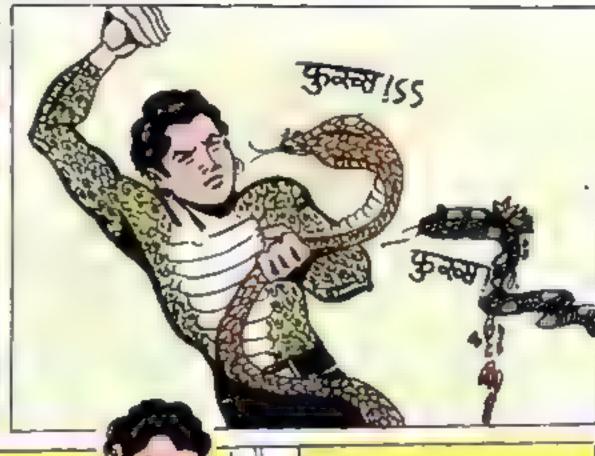
यहमुकाखलाः जोनदानबहेगा।मेनी जहनीली कुंकान का इस पन प्रभाव कहीं हुमा। इसका मतलब यह किसी विसेष दर्जे का गांज है।





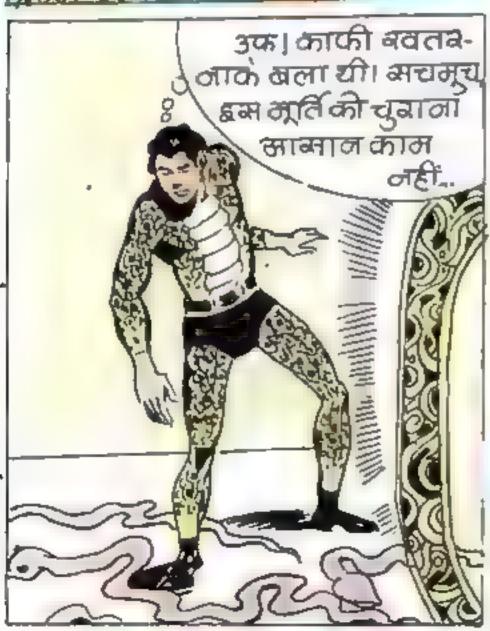








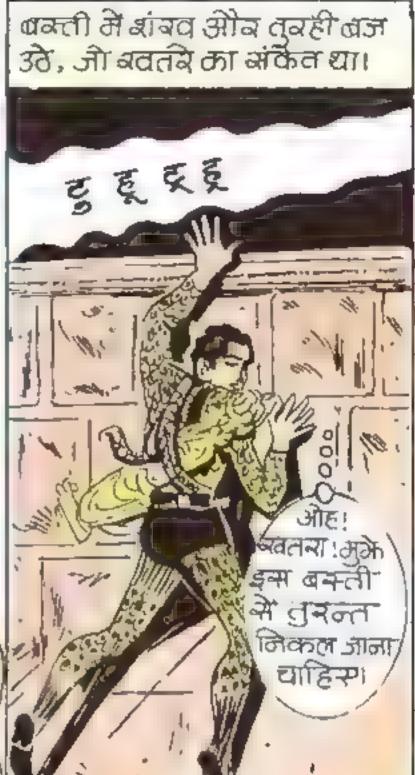




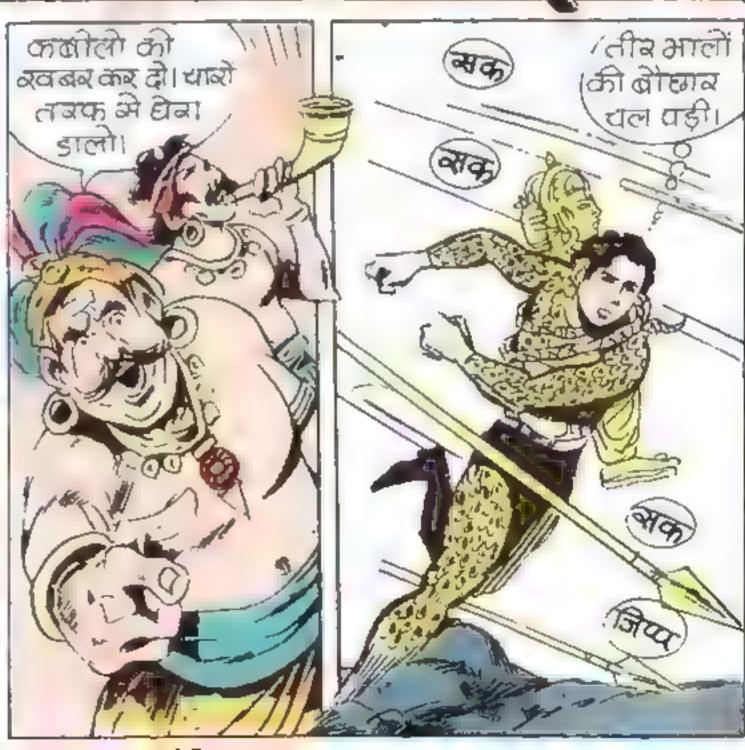






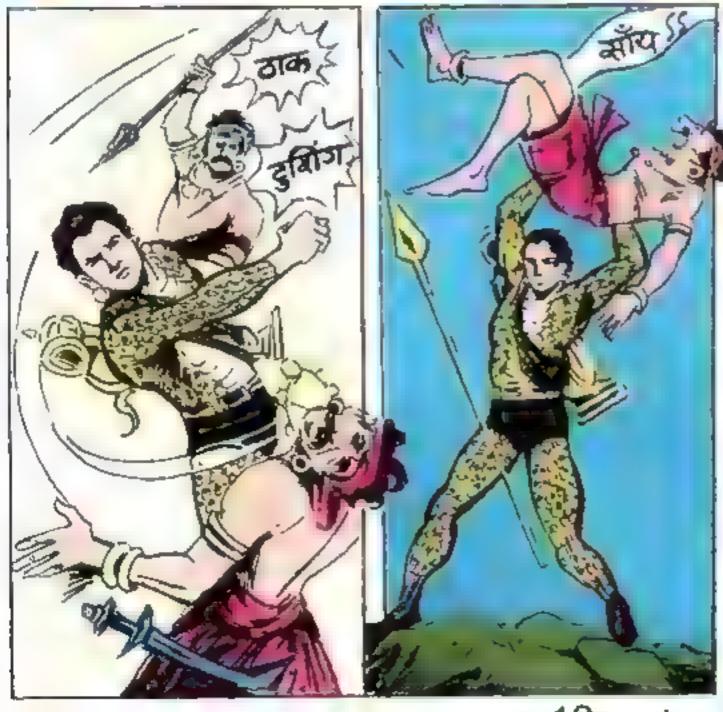














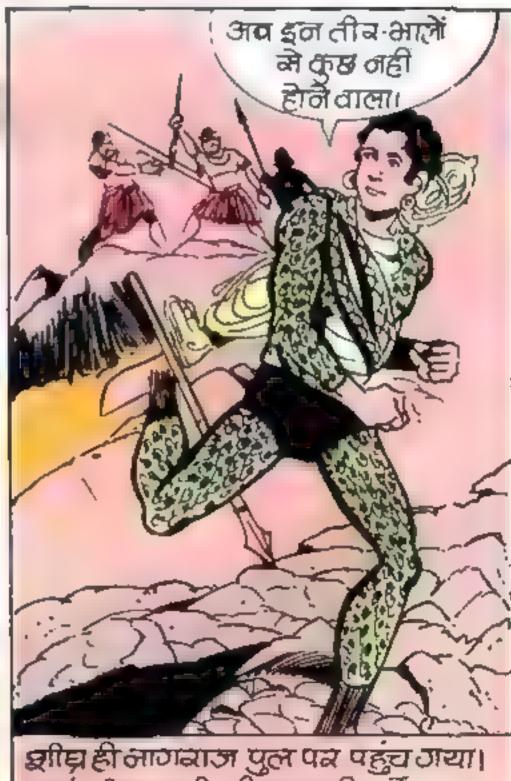










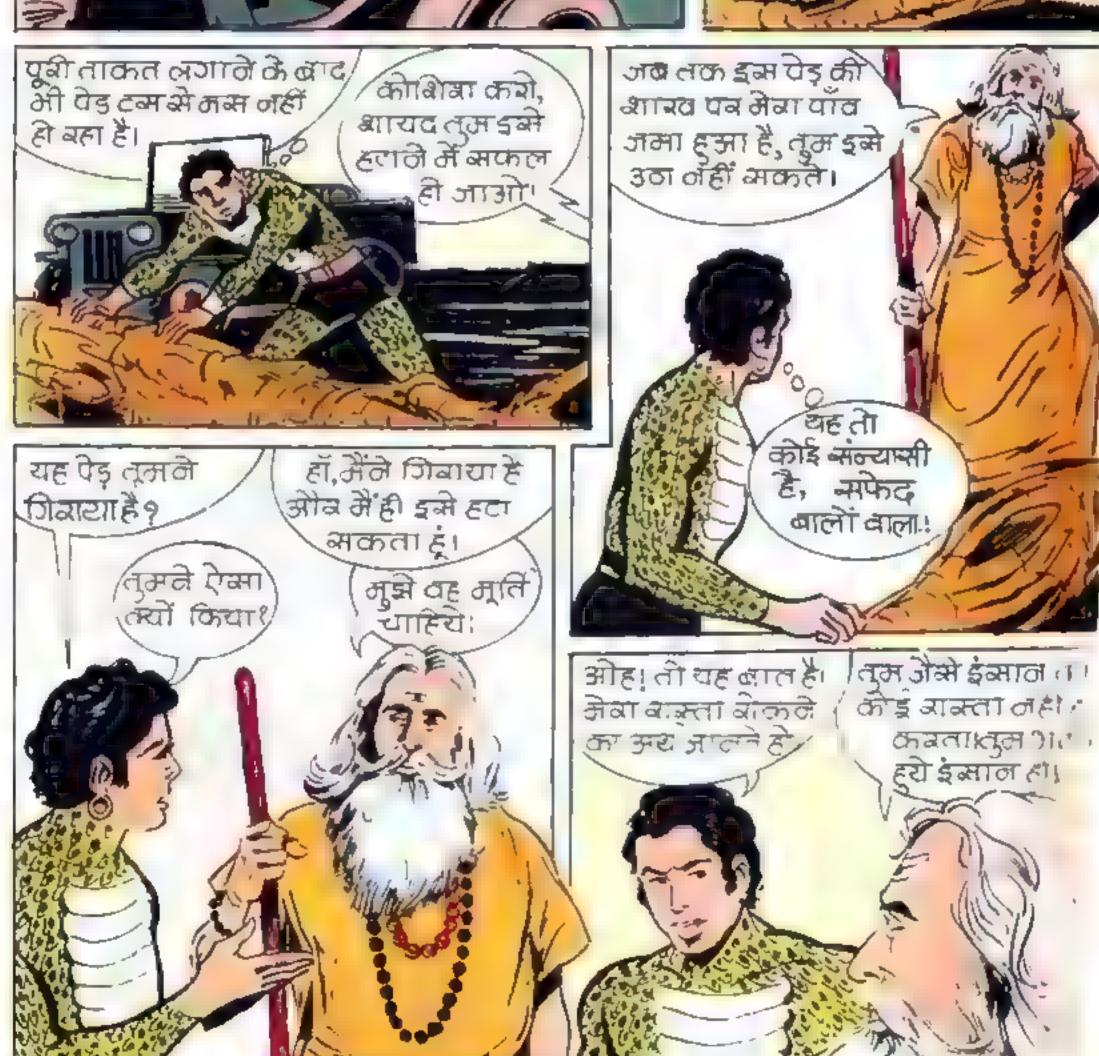


ख्रीघृही साग्राजा पुल पर पहुंच गया। वहां जीप वही थी। वह जीप में सवार हो गया।

#### मागराज



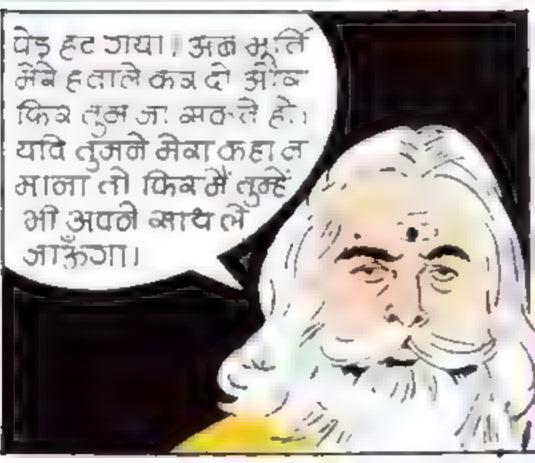






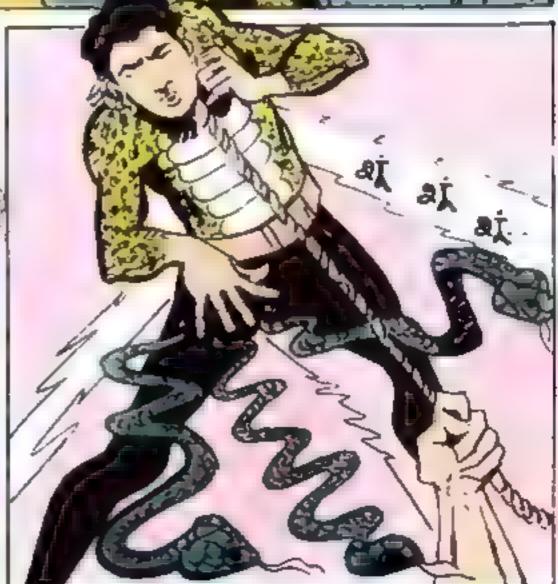






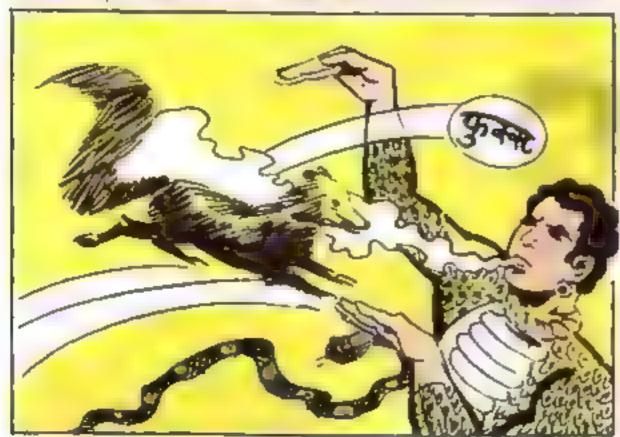


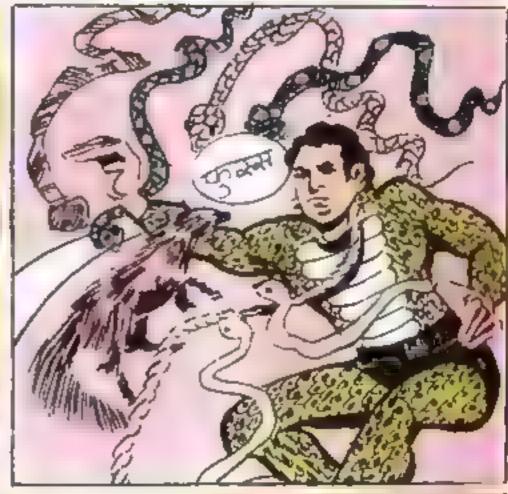




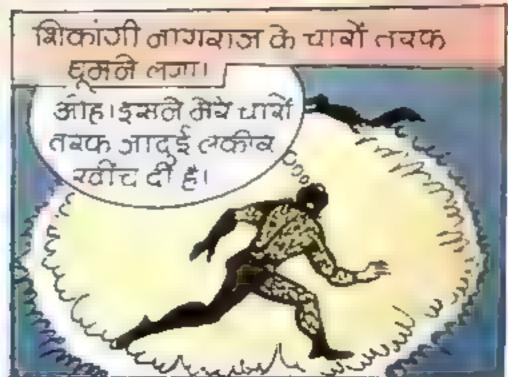












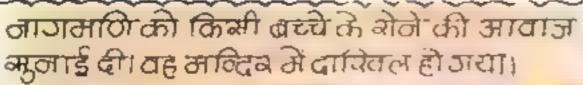








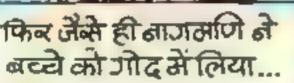






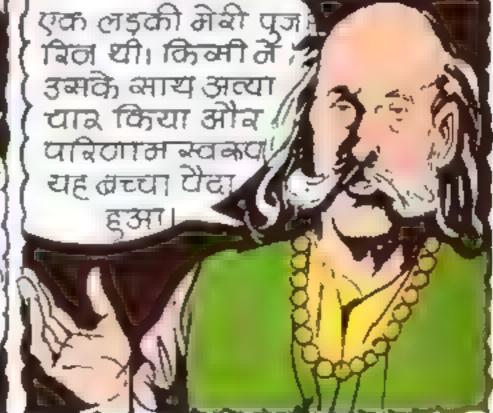








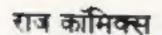






26

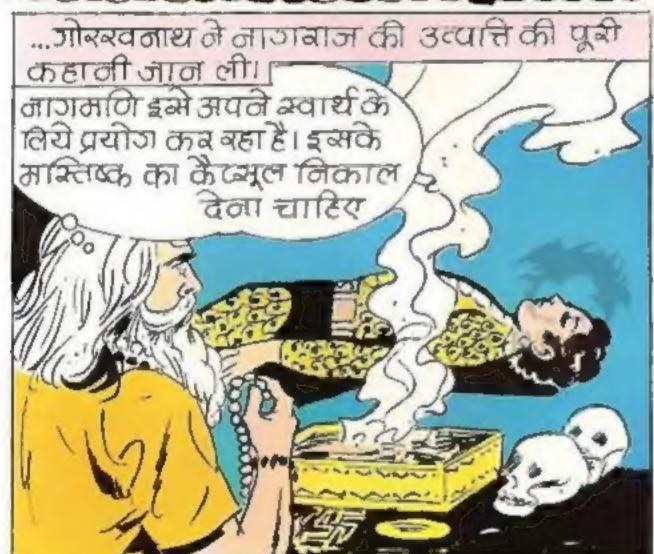


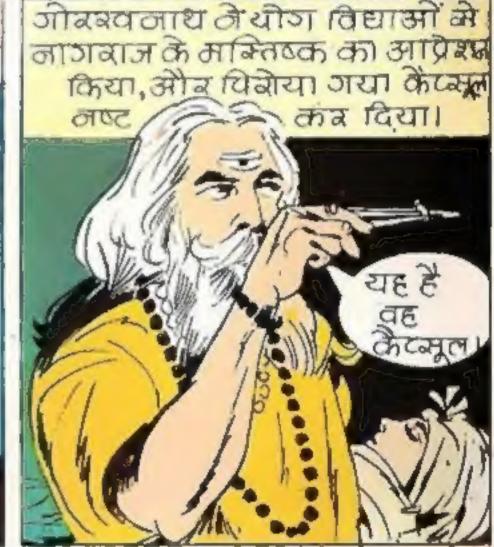


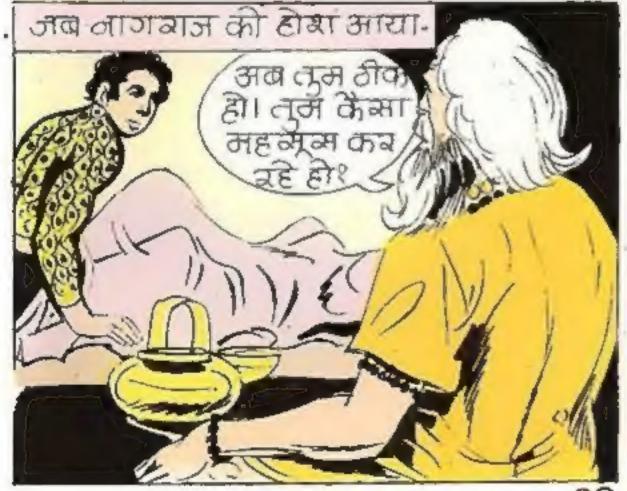














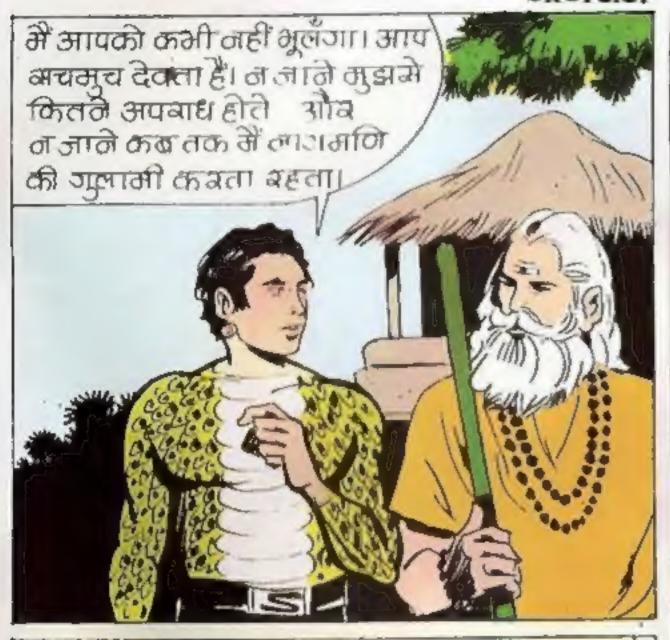




काला नेवला शिकांजी नक्ल का होता है, जिसके दर्शन भी दुर्लम होते हैं।यह नेवला व्रद्यीकरण श्राप्ति का क्वामी माना जाता है। यह अपने आप में बहुत बड़ी जादुई शक्ति है। जंजली लोज इसकी पूजा कबते हैं और जादूजर अपनी कला के लिये इसकी साधना करते हैं। यह नेवला जोरूर्वनाथ में बड़ी साधना के प्राप्त किया था और जब से शिकांजी उसके पास था, वह बहुस्यमय शक्तियों का स्वामी बन ज्या था।







ओव जब भी तुम्हें मेबी आव-श्यकता पड़े,तुम मुझे याद कब लेजा।तुम मुझे अपने मिक्टिक में बवड़ा पाओंगे। जाओं। मेवा आशीर्वाद तुम्हांबे भार्थ है।



31